Nai Dunia (Indore), 19th June 2020, Page-5

आइआइटी कैंपस में रहने के लिए 36 विद्यार्थियों ने किया आवेदन

पीएचडी और पीजी के विद्यार्थियों के लिए लैब भी हो रही शुरू

आइआइटी कैंपस में बने होस्टल रूम। ● सौजन्य

इंदौर (नईदुनिया रिपोर्टर)। इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (आइआइटी) इंदौर ने अपने घर जा चुके विद्यार्थियों को कैंपस में बुलाना शुरू कर दिया है। इसके लिए 19 जून से 21 जून तक का समय दिया गया है। आइआइटी संस्थान अब अपने विद्यार्थियों को कैंपस में ही रखना चाहता है। इन्हें होस्टल में रूकवाकर ऑनलाइन कक्षाओं के माध्यम से पढ़ाई कराई जाएगी। गुरुवार शाम तक 36 विद्यार्थियों ने आइआइटी कैंपस में रहने की इच्छा जाहिर करते हुए आवेदन किया है। संस्थान के अधिकारियों का कहना है कि घर जा चुके और भी कई विद्यार्थी संपर्क कर रहे हैं और कैंपस में आने के लिए आवेदन कर रहे हैं।

14 दिन क्वारंटाइन रहना पड़ेगा

आइआइटी इंदौर के पीआरओ सुनील कुमार का कहना है कि जो भी विद्यार्थी कैंपस में रहने के लिए आएंगे उन्हें 14 दिन अपने कमरे में क्वारंटाइन रहना पड़ेगा। संस्थान का हेल्थ सेंटर भी इनके स्वास्थ्य पर नजर रखेगा। लॉकडाउन के कारण संस्थान की लैब का उपयोग भी विद्यार्थी नहीं कर पा रहे थे, लेकिन अब हम पीएचडी और पीजी कोर्सेस के विद्यार्थियों के लिए लैब भी खोल रहे हैं।

इसमें शारीरिक दूरी के पालन के साथ विद्यार्थियों को निर्धारित संख्या में प्रवेश देंगे। इसी तरह संस्थान में मैस का संचालन भी किया जाएगा। संस्थान में करीब 850 विद्यार्थी अध्ययन करते हैं। अधिकारी का कहना है कि विद्यार्थियों को एक बीएचके के फ्लैट में ठहराया जाता है इससे विद्यार्थियों को किसी तरह की कोई परेशानी नहीं होगी।